अंक-22; मार्च, 2022

ISSN 2394-773X
U.G.C. CARE List Journal

अधिगम

शैक्षिक शोधपत्रिका

प्रश्नात्मक
लोकसाहित्य
उत्तर-आधुनिक
आधुनिक
चेतन
दार्शनिक
बौद्धिक
अंतर्दृष्टि
अभिव्यक्ति
लोकसाहित्य
पथप्रदर्शक
प्रश्नोत्तर
प्रश्नात्मक
दार्शनिक
दार्शनिक
अचेतन
पथप्रदर्शक

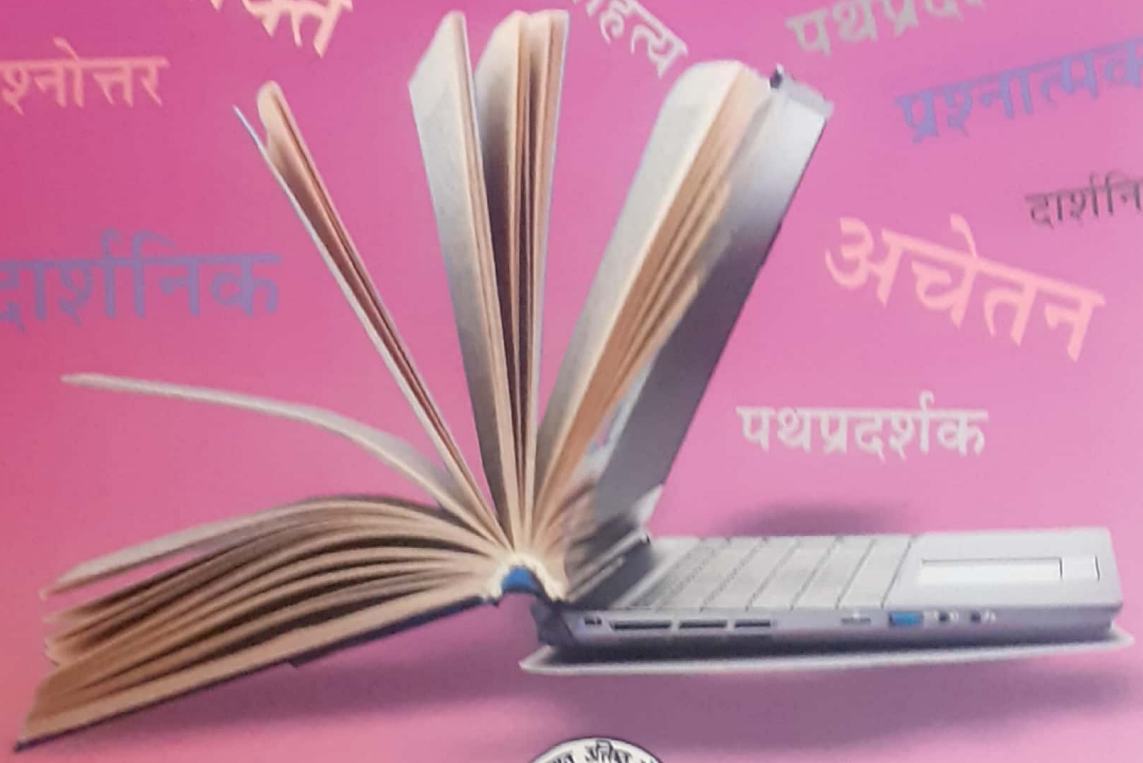

राज्य शिक्षा संस्थान, उ०प्र०, प्रयागराज

Scanned with OKEN Scanner

अधिगम
अंक 22 : मार्च 2022
ISSN : 2394-773X

अनुक्रमणिका

शोधपत्र एवं आलेख

डॉ० आशुतोष दुबे
उपनिषदों में अध्यात्म 7

डॉ० श्रुति मिश्रा
श्री अरविन्द का समग्र योग : एक दृष्टिपात 16

डॉ० अरुणाभ सौरभ
भारतीय संस्कृति और बहुभाषिकता की समझ 26

नीलम मिश्रा
प्रकृति : अधिगम का अक्षुण्ण स्रोत 40

डॉ० अनूपी समैया
स्वामी विवेकानन्द का शिक्षा-दर्शन एवं राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 48

डॉ० जिज्ञेश बी.पटेल
डॉ० मीनलबा जाडेजा
वर्तमान परिप्रेक्ष्य में शिक्षा का व्यवसायीकरण 59

डॉ० अजीत सिंह
भक्त और शृंगारी कवि के रूप में विद्यापति का मूल्यांकन 67

Scanned with OKEN Scanner

अधिगम
अंक 22 : मार्च 2022
ISSN : 2394-773X

स्वामी विवेकानन्द का शिक्षा-दर्शन एवं राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020

डॉ० अनूपी सम्पैया*

सार–

भारतीय समाज में शिक्षा को हमेशा से ही मान्य स्थान दिया जाता रहा है। शिक्षा, सामाजिक परिवर्तन का एक सशक्त एवं विश्वसनीय माध्यम है। शिक्षा एवं समाज का अन्योन्याश्रित संबंध है। शिक्षा से समाज बदलता है साथ ही बदलते हुए समाज की जरूरतों को पूरा करने के लिए शिक्षा एवं उसके तंत्र में भी अपेक्षित बदलाव अपरिहार्य होते हैं। शिक्षा व्यक्ति की अन्तर्निहित शक्तियों को उजागर करती है, उसके देवत्व का दर्शन कराती है, मानवीय मूल्यों की अनुभूति का उसे अवसर प्रदान करती है और स्वानुभूति का मार्ग प्रशस्त करती है। भारत सरकार ने वर्तमान शिक्षा प्रणाली को बेहतर बनाने के लिए 'राष्ट्रीय शिक्षा नीति–2020' को मंजूरी दे दी है, यह एक सकारात्मक कदम है, जो देश में स्कूल और उच्च शिक्षा क्षेत्र में परिवर्तनकारी सुधारों के लिए मार्ग प्रशस्त करता है। नई शिक्षा नीति ने 34 वर्षों पुरानी राष्ट्रीय शिक्षा नीति–1986 को प्रतिस्थापित किया है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 दुनिया की उन कुछ चुनिंदा नीतियों में से एक है, जिस पर बहुत विस्तार और सघन रूप से विचार–विमर्श किया गया है। यह नीति छात्रों को संपूर्ण शिक्षा प्रदान करके उनके चरित्र को आकार देने पर केंद्रित की गई है। शिक्षा नीति की एक विशिष्ट खूबी दुनिया में वसुधैव कुटुंबकम की भावना को बढ़ावा देना है। स्वामी विवेकानन्द के भारतीय दर्शन में, जो उनके जीवन दर्शन का अभिन्न अंग था, और उनके शिक्षा दर्शन में जो उनके भारतीय दर्शन का महत्त्वपूर्ण अंग था। स्वामी विवेकानन्द के समग्र शिक्षा चिन्तन में पूर्व और पश्चिम का समन्वय, भौतिक और आध्यात्मिक शिक्षा का एकीकरण, उच्चस्तरीय शिक्षा तथा सामान्य जन

* सहायक प्राध्यापक, शिक्षा विभाग, डॉ. हरीसिंह गौर केन्द्रीय विश्वविद्यालय, सागर मध्य प्रदेश

Scanned with OKEN Scanner